Total No. of Printed Pages : 3 Roll No.....

CVK-01
कर्मकाण्ड एवं पंचांग कर्म परिचय

वैदिक कर्मकाण्ड में प्रमाणपत्र(सी.वी.के.-17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2020

Time Allowed : 2 Hours Maximum Marks : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. गायत्रीजप के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

2. सप्तघृतमातृ का पूजन की विधि को लिखिए।

3. होमपात्र परिचय एवं उनकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

4. विधि पूर्वक गणेश पूजन लिखिए।

5. अभिषेक विधि का वर्णन कीजिए।

खण्ड-'ख'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. यजमान तिलक एवं दीप प्रज्वलन की विधि समन्त्रक लिखिए।

2. स्वस्तिवाचन के मन्त्रों को लिखिए।

3. सूर्योपासना के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

4. रक्षा विधान की विधि का समन्त्रक उल्लेख कीजिए।

5. जप का अनुष्ठान किस प्रकार किया जाता है? इसका उल्लेख कीजिए।

6. नवग्रहों के नाम का उल्लेख कीजिए।

7. गोदान की विधि का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

8. प्रधान देवता के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

****